भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 4204
20 दिसंबर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

राष्ट्रीय मायोपिया जागरूकता सप्ताह अभियान

4204. श्री सुरेश कुमार शेटकर:
श्रीमती डी. के. अरुणा:
श्री इटेला राजेंदर:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने हाल ही में विश्व बाल दिवस मनाने के लिए राज्यों और गैर-सरकारी संगठनों सहित अन्य संगठनों के सहयोग से राष्ट्रीय मायोपिया जागरूकता सप्ताह अभियान आयोजित किया और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या विगत दो दशकों के दौरान कम बाहरी गतिविधियों जैसे जीवनशैलीगत कारणों की वजह से मायोपिया अथवा निकट दृष्टिदोष, जो बच्चों की आंखों की एक समस्या है, की व्याप्तता में वृद्धि हुई है;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) इसके लिए संस्वीकृत/खर्च की गई निधि का राज्यवार/संघ राज्यक्षेत्रवार ब्यौरा और इस संबंध में प्राप्त परिणाम क्या हैं?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): राष्ट्रीय दृष्टिहीनता एवं दृष्टि दोष नियंत्रण कार्यक्रम (एनपीसीबीवीआई) के अंतर्गत, भारत सरकार ने राज्यों और गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) सहित अन्य संगठनों के साथ मिलकर 10 अक्टूबर, 2024 को विश्व दृष्टि दिवस मनाया, जिसका विषय था 'लव योर आईज, किड्स'। इसका उद्देश्य बच्चों को आँखों की देखभाल के महत्व को समझाना और प्रेरित करना था। तथापि, विश्व बाल दिवस मनाने के लिए विशेष रूप से राष्ट्रीय मायोपिया जागरूकता सप्ताह अभियान एनपीसीबीवीआई, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित नहीं किया गया था।

(ख) से (घ): एनपीसीबीवीआई, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत इस निष्कर्ष के साथ कोई सर्वेक्षण/अध्ययन नहीं किया गया है और एनपीसीबीवीआई, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत विशेष रूप से राष्ट्रीय मायोपिया जागरूकता अभियान सप्ताह के लिए कोई धनराशि स्वीकृत/खर्च नहीं की गई है।

*****